पावन चिंतन धारा संस्था के ''प्रोजेक्ट यूपीएससी'' लॉन्च किए जाने के अवसर पर माननीय राज्यपाल महोदय का सम्बोधन

(दिनांक 21 अक्टूबर, 2024)

जय हिन्द!

मुझे आज बहुत ही प्रसन्नता की अनुभूति हो रही है क्योंकि आज का यह दिन उत्तराखण्ड के लिए कुछ खास है, हमारे बच्चों के लिए कुछ विशेष है वह इसलिए कि अब उत्तराखण्ड की प्रतिभाओं की, यहां की युवा पीढ़ी की सिविल सेवा में जाने की राह आसान होने वाली है।

आज जो प्रोग्राम ''प्रोजेक्ट यूपीएससी'' लॉन्च किया गया है, इसके बाद हमारे प्रदेश की प्रतिभाएं, हमारे ऐसे होनहार बच्चे जो सिविल सेवाओं में अपना कैरियर बनाना चाहते हैं लेकिन पारिवारिक, आर्थिक या अन्य परिस्थितियों के कारण सिविल सेवाओं की तैयारी नहीं कर पाते हैं, उन्हें अब पावन चिंतन धारा संस्था के द्वारा इस प्रोजेक्ट के तहत निःशुल्क कोचिंग दी जाएगी, जिससे वे अपने सपनों को साकार कर सकते हैं।

''प्रोजेक्ट यूपीएससी'' को उत्तराखण्ड में शुरू करने के लिए मैं पावन चिंतन धारा आश्रम एवं प्रो. पवन सिन्हा का पूरे प्रदेश वासियों की ओर से आभार व्यक्त करता हूँ। जिन्होंने शिक्षा का हब देवभूमि उत्तराखण्ड में यह प्रोजेक्ट आरंभ किया है। आप जो यह नेक कार्य कर रहे हैं वह हमारे प्रदेश के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण कार्य है, जो राष्ट्र निर्माण में भी अहम कारक होगा।

मुझे बताया गया है कि संस्था के द्वारा ऐसे बच्चों के लिए ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों तरह की कोचिंग की सुविधा दी जा रही है। इसमें समय प्रबंधन से लेकर दैनिक जीवनचर्या

के प्रबंधन और बच्चों के व्यक्तित्व विकास को निखारने पर जोर दिया जाता है।

इस प्रोजेक्ट से हमारे प्रदेश के होनहार और जरुरतमन्द युवाओं को अवश्य ही लाभ मिलेगा। इसमें ऐसे बच्चों को सिविल सेवाओं की तैयारी का मौका मिल पाएगा जो संसाधनों के अभाव में पीछे रह जाते हैं।

हमारे प्रदेश में ऐसे बहुत से बच्चे हैं जिनमें बहुत प्रतिभा हैं लेकिन उनके सपनों को आकार देने के लिए मार्गदर्शन की बहुत बड़ी आवश्यकता भी है। यह बहुत ही खुशी की बात है कि सिविल सेवा के अहम क्षेत्र में उत्तराखण्ड के युवाओं को आगे बढ़ाने के लिए इस संस्था ने पहल की है।

साथियों,

यहां के युवाओं में विशेषकर बालिकाओं में असीमित प्रतिभाएं हैं वे संसाधनों के अभाव में अपना सपना पूरा करने से न रह जाय, उनके लिए यह प्रोजेक्ट बहुत ही मददगार साबित होगा। यह तो और भी अच्छी बात है कि इस प्रोजेक्ट में बालिकाओं को विशेष रूप से प्राथमिकता दी जाएगी जिससे वे सिविल सेवाओं की तैयारी कर इस क्षेत्र में भी अपना परचम लहरा सकेंगी।

प्यारे बच्चों,

आप सब जानते ही हैं कि जीवन में शिक्षा का क्या मूल्य है। जब हम शिक्षित और कौशल सम्पन्न होते हैं तो ही हम दुनिया को बेहतर बनाने में योगदान कर पाते हैं। हम अपनी प्रतिभा के बल पर समाज के उत्थान और राष्ट्र की प्रगति में बहुत बड़ा योगदान दे सकते हैं।

जरा इस बारे में सोचें आपके सपने क्या हों? आपके सपने कितने बड़े हों? इन प्रश्नों के साथ आपको अपने सपनों को तय करना होगा। अपने सपनों को आकार देना होगा। आप इस पर भी अवश्य सोच–विचार करें कि क्या आप समाज या फिर राष्ट्र की भलाई के लिए भी सपने देखते हैं?

स्वयं की भलाई के लिए सोचना तो एक छोटा सा सपना है लेकिन राष्ट्र की भलाई के लिए सोचना सबसे बड़ा सपना है। आप राष्ट्र की भलाई के लिए अवश्य ही सपने बुनें। राष्ट्र रहेगा तभी तो आप सर्वाइव कर पाएंगे, तभी तो आप जीवन में ऊंचे उठ पाएंगे।

मैं अपने अनुभव से आपको एक बात बता रहा हूँ कि चुनौतीपूर्ण जीवन का अपना अलग ही आनंद है। आप जितना ज्यादा कम्फर्ट जोन में जाने की सोचेंगे, उतना ही आप अपनी और देश की प्रगति में बाधक बनेंगे। आप सभी अलग–अलग क्षेत्र में पढ़ाई कर रहे हैं, आपको जो अवसर मिल रहे हैं आप उनका भरपूर लाभ उठाएं।

आप सब जानते हैं कि उत्तराखण्ड एक छोटा सा राज्य है। यहां का अधिकांश भौगोलिक क्षेत्र बहुत ही दुर्गम है। यहां संसाधनों की कमी हैं इसके बावजूद भी देश में हर एक क्षेत्र में उत्तराखण्ड की प्रतिभाएं अपना लोहा मनवा रही हैं। हम हर एक क्षेत्र में नेतृत्व कर रहे हैं। हर एक क्षेत्र में बड़ा योगदान दे रहे हैं।

विशेष रूप से रक्षा सेवा में उत्तराखण्ड का एक बहुत बड़ा योगदान है। विज्ञान एवं तकनीकी, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य,

सिनेमा एवं मनोरंजन, खेल एवं वेलनेस, राजनीति और समाज सेवा जैसे सभी प्रमुख क्षेत्रों में उत्तराखण्ड की प्रतिभाएं टॉप सीट पर बैठकर महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं।

लेकिन मेरी एक चाहत थी, एक सोच थी कि अपने राज्य में सिविल सेवा के क्षेत्र में भी अधिक से अधिक बच्चे सफलता अर्जित करें ताकि अन्य बच्चे भी इनसे प्रेरणा लें और सिविल सेवा को अपना करियर का विकल्प बनाने के लिए आगे आएं।

मुझे लगता है अब मेरी यह ख्वाइश भी पूरी होने वाली है। आज मुझे बहुत खुशी है कि हम उस दिशा में एक कदम आगे बढ़े हैं और आज का यह कार्यक्रम भी उसी दिशा में एक मील का पत्थर है। मुझे विश्वास है कि अब सिविल सेवा के क्षेत्र में भी उत्तराखण्ड की और अधिक प्रतिभाएं सफलताएं अर्जित कर देश और प्रदेश के विकास में अपना अहम योगदान देंगे।

साथियों,

भारत ने निरंतर समस्त दुनिया को शिक्षा और मार्गदर्शन देने का कार्य किया है। नालन्दा, तक्षशिला, विक्रमशिला, काशी, कांची, बल्लभी जैसे उच्च विद्या केन्द्र हमारी धरोहर हैं। कभी हजारों विदेशी छात्र अध्ययन के लिए भारत आते थे, यहां अनगिनत गुरुकुल हुआ करते थे, लेकिन क्रूर आक्रांताओं ने सब नष्ट कर दिया। हम विश्व गुरु थे, लेकिन 1000 सालों की गुलामी ने हमसे हमारा वह गौरव छीन लिया, और आज का ये नया भारत कड़ी मेहनत और लगन से फिर अपने पुरातन गौरव और संस्कृति को प्राप्त करने की ओर तेजी से अग्रसर है।

हमारी देवभूमि सदियों से ही शैक्षिक गतिविधियों का केंद्र रही है। इस धरती को स्वयं ऋषि–मुनियों ने अपने तप से संचित किया है। इसी कारण उत्तराखण्ड के वातावरण में अलौकिक शक्तियां विद्यमान हैं। और यहां आकर कई महान विभूतियों ने दिव्यता और पवित्रता का अनुभव किया है और परम ज्ञान की प्राप्ति भी की है।

मैं यहाँ पर उपस्थित सभी छात्र–छात्राओं से कहना चाहता हूँ, आप ही भारत का भविष्य हैं। आप ही अमृत काल की अमृत पीढ़ी हैं। हमने संकल्प लिया है, हमने ठाना है, हमने प्रण लिया है कि 2047 में जब हम आजादी के 100 वर्ष पूरे कर रहे होंगे तो भारत एक विकसित राष्ट्र होगा।

इस लक्ष्य को पूरा करने की सबसे बड़ी जिम्मेदारी हमारी युवा पीढ़ी के कंधों पर है। मुझे पूरा विश्वास है कि हमारे सामर्थ्यवान युवा, देश वासियों के इस सपने को पूरा करने की जिम्मेदारी सहर्ष स्वीकार करेंगे। मुझे पूरा भरोसा है कि जब आप लोग देश का नेतृत्व कर रहे होंगे तो इस देश को ज्ञान श्रेष्ठ, विकसित राष्ट्र और विश्व गुरु बनाने के लिए जी तोड़ मेहनत करेंगे।

आज जब हम आजादी का अमृत महोत्सव मना रहे हैं, यह महोत्सव भारत के उन लोगों को समर्पित है, जिन्होंने न केवल भारत को उसकी विकास यात्रा में लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

21वीं सदी के लिए हमारा सबसे बड़ा लक्ष्य है आत्म निर्भर भारत, विश्व गुरु भारत और विकसित भारत। 21वीं सदी के इस मोड़ पर पूरी दुनिया भारत की ओर देख रही है। इसलिए हमें अपनी भूमिका को बढ़ाने और तेज गति से खुद को और काबिल बनाने की आवश्यकता है।

इसके साथ ही 21वीं सदी के तीसरे दशक को उत्तराखण्ड का दशक बनाने की दिशा में चल रहे कार्यों में आपका भी महत्वपूर्ण योगदान होने वाला है। ऐसा कोई कारण नहीं है जिस कारण से हम देश का नंबर 1 राज्य न बन सकें।

मुझे एक चिंता बहुत सता रही है कि आज हमारे युवा नशे की अंधेरी गलियों में भटक रहे हैं। यह बहुत ही गंभीर सोच का विषय है कि शिक्षा का हब माने जाने वाला देवभूमि उत्तराखण्ड आज ड्रग्स के काले कारोबारियों के निशाने पर है। आज जिस तीव्र गति से नशीली दवाओं और मादक द्रव्यों का सेवन बढ़ रहा है। मुझे तो यह एक महामारी का रूप लेते हुए दिखाई दे रहा है। समाज में खासकर युवाओं में व्याप्त नशे की लत हमारी प्रगति, उन्नति और समृद्धि में बाधक है।

नशा मुक्ति, नशीली दवाओं, मादक पदार्थों की रोकथाम के लिए हमें आवश्यक कदम उठाने होंगे। यदि हम सभी मिलकर इस दिशा में सामूहिकता की भावना से कार्य करें, तो निश्चित रूप से हम समाज से इस नासूर को भी खत्म कर सकते हैं और हम एक नशा मुक्त समाज का निर्माण करने में सफल हो सकते हैं।

मेरी हार्दिक इच्छा रहती है कि यहां के युवाओं के लिए, खासकर अपनी बेटियों के भविष्य को संवारने की दिशा में अधिक से अधिक प्रयास करुं। आज जब हमारी बेटियां हर क्षेत्र में शिखर पर पहुंच रही है, जिससे मुझे गर्व की अनुभूति होती है।

आज, हम सबकी जिम्मेदारी है कि हम अपनी बेटियों को आगे बढ़ाने के लिए कार्य करें जब एक लड़की शिक्षित होती है तो उसके पूरे परिवार, समुदाय और समाज का स्तर बेहतर होता है। मेरी इच्छा है कि उत्तराखण्ड की हमारी अधिक से अधिक बेटियों को हम बड़े मुकाम पर आगे लेकर जाएं।

मैं पावन चिंतन धारा संस्था को इस नेक कार्य के लिए एक बार फिर से हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देता हूँ। इस महत्वपूर्ण आयोजन में शामिल होने के लिए आप सभी का हृदय की गहराइयों से आभार।

जय हिन्द!